क्र० सं०	स्थान
32.	गंगथ
33.	किलार (पांगी)
34.	तिस्सा
35.	डलहौजी
36.	सन्धोल
37.	गोहर
38.	दलाश
39.	निरमण्ड
40.	जौनाजी
41.	उदयपुर

विदेशी रेडियो स्टेशनों के हिन्दी समाचार बुलेटिनों की मानीटरिंग

2649. **श्रीमती सत्या बहिन** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार आल इंडिया रेडियो के समाचार सेवा प्रभाग के मानीटरिंग यूनिट को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विदेशी रेडियो स्टेशन के हिन्दी समाचार बलेटिनों की मानीटरिंग करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या आल इंडिया रेडियो के समाचार सेवा प्रभाग की मानीटरिंग यूनिट में हिन्दी रिपर्टर (मानीटरिंग) के पदों के सृजित किए जाने के प्रस्ताव को आल इंडिया रेडियो की वार्षिक योजना में शामिल किया गया है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ड.) उन्हें कब तक तैनात कर दिया जायेगा ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के. पी. सिंह देव) : (क) और (ख) विदेशी रेडियो संस्थान द्वारा प्रसारित किए जाने वाले हिन्दी समाचार बुलेटिनों की मानीटरिंग करने के लिए कुछ पदों का सृजन करने संबंधी आकाशवाणी से प्राप्त एक प्रस्ताव की सरकार द्वारा जांच की जा रही है।

(ग) जी, नहीं।

(घ) और (ड.) प्रश्न नहीं उठते।

मंत्रालय के साथ संसद सदस्यों का पत्राचार

2650. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) संसद सदस्यों द्वारा मंत्रालय को 1-4-90 से 31-3-93 की अवधि के दौरान लिखे गए पत्रों का वर्षवार ब्यौरा क्या है ;

(ख) इन पत्रों में से कितने पत्रों की पावती भेजी गई ;

(ग) कितने पत्रों के अंतिम उत्तर भेजे गए ; और

(घ) मंत्रालय द्वारा भेजे गए इन अंतिम उत्तरों में से कितने पत्रों के उत्तर सकारात्मक थे और कितने नकारात्मक ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के. पी. सिंह देव) : (क) सूचना और प्रसारण मंत्रालय के मुख्य सचिवालय में अप्रैल, 1991 से मार्च, 1992 और अप्रैल, 1992 से मार्च, 1993 तक की अवधियों के दौरान संसद सदस्यों से प्राप्त हुए पत्रों की संख्या क्रमशः 1902 तथा 2341 है। तथापि, अप्रैल, 1990 से मार्च, 1991 तक की अवधि की अपेक्षित सूचनाएं उपलब्ध नहीं है क्योंकि ऐसे पत्रों से संबंधित अभिलेखों को एक सीमित अवधि के लिए सुरक्षित रखा जाना अपेक्षित होता है।

(ख) ऐसे पत्रों की पावती हमेशा भेजी जाती है।

(ग) पिछली अवधि से संबंधित 188 पत्रों के उत्तरों सहित अप्रैल, 1991 से मार्च, 1993 तक कुल 4099 पत्रों के उत्तर भेजे गये थे।

(घ) इस संबंध में सूचना उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि ऐसा रिकार्ड नहीं रखा जाता है।